डेरी विकास विभाग
आउटकम बजट 2021–22 का प्रारूप

(धनराशि हजार रू0 में)

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउट ले		1.4.2020 की वास्तविक स्थिति (भौतिक स्थिति)	31.03.2021 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2021–22	आउटकम हेतु सम्भावित समयावधि
			राजस्व	पूँजीगत					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	निदेशन एवं प्रशासन	कार्मिकों के वेतन, भत्ते तथा कार्यालय संचालन हेतु सहायता	128072		157 विभागीय अधिकारियों व कार्मिकों के वेतन भत्तों का भुगतान किया गया।	155 विभागीय अधिकारियों व कार्मिकों के वेतन भत्तों का भुगतान किया जायेगा।	167 विभागीय अधिकारियों व कार्मिकों के वेतन भत्तों का भुगतान किया जायेगा।	विभागीय अधिकारियों व कार्मिकों की कार्य क्षमता में वृद्धि होगी।	01 वर्ष
राज्य योजना (चालू योजना)									
1.	डेरी विकास योजना	दुग्ध संघों में अवस्थापना विकास तथा अन्य आवर्ती व्यय में सहायता प्रदान करना।	37000	–	1500 समिति सचिवो को प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया गया। 2. दुग्ध उपार्जन पर हो रहे यातायात व्यय से 22462 सदस्य लाभान्वित किया गया। 3. 30 दुग्ध उत्पादकों व 20 विभागीय कार्मिकों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। 4. सेन्ट्रल डेरी लैब में 2525 सैम्पल की टेस्टिंग की गयी।	1. 1600 समिति सचिवो को प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया जायेगा। 2. दुग्ध उपार्जन पर हो रहे यातायात व्यय से 23000 सदस्य लाभान्वित किया जायेगा। 3. 200 दुग्ध उत्पादकों व 50 विभागीय कार्मिकों का प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। 4. सेन्ट्रल डेरी लैब में 2650 सैम्पल की टेस्टिंग की जायेगी।	1. 1700 समिति सचिवो को प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया जायेगा। 2. दुग्ध उपार्जन पर हो रहे यातायात व्यय से 23500 सदस्य लाभान्वित किया गया। 3. 200 दुग्ध उत्पादकों व 50 विभागीय कार्मिकों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। 4. सेन्ट्रल डेरी लैब में 2750 सैम्पल की टेस्टिंग की जायेगी।	1. दुग्ध उपार्जन में वृद्धि। 2. पर्वतीय क्षेत्रों में सुदूरवर्ती ग्रामों में दुग्ध समितियां स्थापित कर रोजगार सृजित होगा।	03 वर्ष
2.	महिला डेरी विकास योजना	महिलाओं का आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान करते हुए विकास की मुख्य धारा में जोड़ना।	40608	–	1. ग्राम स्तर पर 28 महिला दुग्ध समितियों का गठन किया गया। 2. 645 महिला दुग्ध उत्पादकों को समितियों से जोड़ा गया। 3. 28 महिलाओं को ग्राम स्तर पर प्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध कराया गया।	1. ग्राम स्तर पर 30 महिला दुग्ध समितियों का गठन किया गया। 2. 700 महिला दुग्ध उत्पादकों को समितियों से जोड़ा गया। 3. 30 महिलाओं को ग्राम स्तर पर प्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध कराया गया।	1. ग्राम स्तर पर 30 महिला दुग्ध समितियों का गठन किया गया। 2. 710 महिला दुग्ध उत्पादकों को समितियों से जोड़ा गया। 3. 30 महिलाओं को ग्राम स्तर पर प्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध कराया गया।	1. महिलाओं को आय के साधन सुलभ होने से उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। 2.महिलाओं में नेतृत्व, आत्मविश्वास एवं आत्म निर्णय की भावना जागृत होगी।	03 वर्ष
					दुग्ध समिति गठन कर 1243 लीटर प्रतिदन दुग्ध उपार्जन में वृद्धि की गयी।	दुग्ध समिति गठन कर 1350 लीटर प्रतिदन दुग्ध उपार्जन में वृद्धि की गयी।	दुग्ध समिति गठन कर 1400 लीटर प्रतिदन दुग्ध उपार्जन में वृद्धि की गयी।	उपरोक्त	01 वर्ष

3.	सहकारी डेरी प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना	राज्य के परिप्रेक्ष्य में दुग्ध उत्पादकों को पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन से सम्बन्धित जानकारियां उपलब्ध कराना।	3000	–	प्रशिक्षण भवन एवं छात्रावास में फर्नीचरर्स तथा फिक्सचर्स की व्यवस्था की गयी।	1. सहकारी प्रशिक्षण संस्थान के माध्यम से दुग्ध उत्पादकों को आवश्यक प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जायेगा।	सहकारी प्रशिक्षण संस्थान के माध्यम से 2000 दुग्ध उत्पादकों तथा 500 कार्मिकों को आवश्यक प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जायेगा।	1. दुग्ध उत्पादक राज्य की जलवायु के अनुसार पशुपालन एव दुग्ध उत्पादन में प्रशिक्षत होगें। 2. परीक्षण उपरान्त दुग्ध उत्पादकों को हो रही व्यवहारिक कठिनाईयों का समाधान हो सकेगा।	03 वर्ष
4.	दुग्धशाला का सुदृढ़ीकरण	वर्तमान परिप्रेक्ष्य में दुग्धशालाओं का सुदृढ़ीकरण, आधुनिकीकरण एवं क्षमता विस्तार करना।	–	5000	CIP यूनिट एवं कर्ड यूनिट की स्थापना की गयी।	जनपद देहरादून अन्तर्गत रेफ्रिजरेशन यूनिट तथा ब्यलर यूनिट स्थापित की जायेगी।	दुग्ध संघ अन्तर्गत सोलर प्लाट की स्थापना की जायेगी।	दुग्ध संघों की वर्तमान क्षमता का विस्तार होगा।	02 वर्ष
5.	दुग्ध उत्पादकों को दुग्ध मूल्य प्रोत्साहन	ग्राम स्तर पर दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हेतु दुग्ध उत्पादकों को उनके द्वारा दुग्ध समिति में उपलब्ध कराये जा रहे दूध के आधार पर प्रोत्साहन राशि प्रदान किया जाना।	24000	–	52839 दुग्ध उत्पादक सदस्यों को दुग्ध मूल्य प्रोत्साहन राशि प्रदान की गयी।	53000 दुग्ध उत्पादक सदस्यों को दुग्ध मूल्य प्रोत्साहन राशि प्रदान की जायेगी।	54000 दुग्ध उत्पादक सदस्यों को दुग्ध मूल्य प्रोत्साहन राशि प्रदान की जायेगी।	1. अधिक से अधिक दुग्ध उत्पादको को सहकारी समितियों से जोडना। 2. ग्राम स्तर पर पशुपालन हेतु प्रोत्साहित करना	01 वर्ष
6.	गंगा गाय महिला डेरी विकास योजना	ग्रामीण महिलाओं का आर्थिक एवं सामाजिक उन्नयन करना।	60000	–	दुग्ध सहकारी समितियों की 361 महिला सदस्यों को उच्च नस्ल दुधारू गाय उपलब्ध कराते हुए रोजगार सृजन किया गया तथा एन0सी0डी0सी0 स्वरोजगार योजना अन्तर्गत 763 यूनिट हेतु अनुदान उपलब्ध कराया गया है ।	दुग्ध सहकारी समितियों के 1070 दुग्ध उत्पादक सदस्यों को उच्च नस्ल के दुधारू पशु उपलब्ध कराते हुए रोजगार सृजन किया जायेगा।	दुग्ध सहकारी समितियों के 1200 दुग्ध उत्पादक सदस्यों को उच्च नस्ल के दुधारू पशु उपलब्ध कराते हुए रोजगार सृजन किया जायेगा।	1. ग्रामीण दुग्ध उत्पादकों को आर्थिक रूप से स्वावलम्बी बनाना। 2. दुग्ध समितियों के अन्तर्गत उपार्जन में वृद्धि करना।	01 वर्ष
7.	दुग्ध संघ कार्मिकों हेतु स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना	रूग्ण दुग्ध संघों के कार्मिकों को स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति प्रदान कर सम्बन्धित दुग्ध संघों के आवृत्ति व्यय में कमी स्थायी	10000	–	रूग्ण दुग्ध संघों के कार्मिकों को स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति प्रदान की	दुग्ध संघ टिहरी गढ़वाल के 14 कार्मिकों के लम्बित वेतन तथा दुग्ध संघ श्रीनगर–गढ़वाल के	रूग्ण दुग्ध संघों के कार्मिकों को स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति प्रदान की	रूग्ण दुग्ध संघों के आवृत्ति व्यय में स्थायी कमी होने के कारण दुग्ध संघ लाभ की ओर	01 वर्ष

		कमी करना।			गयी।	कार्मिकों को स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति प्रदान की जायेगी।	जायेगी।	अग्रसर होगें।	
8.	साईलेज एवं पशुपोषण/मुख्यमंत्री घस्यारी कल्याण योजना	दुग्ध सहकारी समिति के सदस्यो ंको दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हेतु साईलेज एवं मिनिरल मिक्सचर उपलब्ध कराया जाना।	250000	–	दुग्ध समिति के सदस्यों को 1100 मै0 टन साईलेज एवं 12.6 मै0 टन मिनिरल मिक्सचर उपलब्ध कराया गया।	दुग्ध समिति के सदस्यों को 3806 मै0 टन साईलेज, 6000 मै0 टन सन्तुलित पशु आहार एवं 100 मै0टन मिनिरल मिक्सचर उपलब्ध कराया जायेगा।	दुग्ध समिति के सदस्यों को 3900 मै0 टन साईलेज, 7000 मै0 टन सन्तुलित पशु आहार एवं 105 मै0टन मिनिरल मिक्सचर उपलब्ध कराया जायेगा। बहुउददेशीय सहकारी समितियों के माध्यम से ग्रामीण पशुपालकों को उनके दुधारू पशुओं हेतु साईलेज, टोटल मिक्सड राशन, हे ब्लॉक इत्यादि उपलब्ध कराया जायेगा।	1. दुधारू पशुओं के स्वास्थ्य में सुधार होगा। 2. दुग्ध उत्पादन में वृद्धि होगी।	01 वर्ष
9.	पशुचारा परिवहन अनुदान योजना	पशुआहार तथा साईलेज के ढुलान हेतु परिवहन अनुदान उपलब्ध कराया जाना।	30000	–	1100 मै0 टन साईलेज एवं 11300 मै0 टन सन्तुलित पशु आहार के परिवहन हेतु अनुदान उपलब्ध कराया गया।	3806 मै0 टन साईलेज, 15000 मै0 टन सन्तुलित पशु आहार तथा 1500 मै0 टन कम्पैक्ट फीड ब्लाक के परिवहन हेतु अनुदान उपलब्ध कराया जायेगा।	3900 मै0 टन साईलेज, 18000मै0टन सन्तुलित पशु आहार एवं 2000 मै0टन कम्पैक्ट फीड ब्लाक के परिवहन हेतु अनुदान उपलब्ध कराया गया।	1. दुग्ध उत्पादक को उचित दर पर पशुचारा उपलब्ध होने से उत्पादन लागत में कमी आयेगी। 2. दुगध उत्पादक की आय में वृद्धि होगी।	01 वर्ष
10.	नाबार्ड द्वारा वित्त पोषित (RIDF योजना)	ग्रामीण क्षेत्रों से उत्पादित दूध हेतु दुग्ध संग्रहण, प्रसंस्करण तथा विपणन इकाईयों की स्थापना	–	70000	–	जनपद नैनीताल तथा पौड़ी में क्रमशः 10 हजार लीटर क्षमता का अवशीतन केन्द्र व 5000 लीटर क्षमता की प्रसंस्करण इकाई की स्थापना की जायेगी।	जनपद हरिद्वार में 5000 लीटर क्षमता के 02 अवशीतन केन्द्र, ग्रामीण क्षेत्रो ंमें 30 ग्रोथ सेन्टर तथा जनपद चम्पावत में 20 हजार लीटर क्षमता की दुग्धशाला	जनपद में दुग्ध अवशीतन व प्रसंस्करण की क्षमता विस्तार से दुग्ध संघों के व्यापार में वृद्धि होगी, जिससे दुग्ध उत्पादकों की आय बढ़ेगी।	01 वर्ष

							स्थापित की जायेगी।		
11.	निदेशालय निर्माण कार्य (बृहद निर्माण)	निदेशालय हल्द्वानी(नैनीताल) में विभागीय निदेशालय के निर्माण कार्य हेतु	–	200	–	–	जनपद नैनीताल में डेरी विकास विभाग निदेशालय भवन का निर्माण किया जायेगां	विभागीय कार्यकलापों में वृद्धि करना	01 वर्ष
12.	राष्ट्रीय डेरी विकास योजना(राज्यांश)		–	5775	–	–	दुग्ध संघ नैनीताल की प्रसंस्करण क्षमता 1.5 लाख लीटर प्रतिदिन किये जाने हेतु आवश्यक प्लांट मशीनरी की स्थापना की जायेगी।	1. दुग्ध उत्पादको की आय में वृद्धि होगी। 2. दूध की गुणवत्ता में सुधार होगा। 3. दुग्ध संघ के लाभ में वृद्धि होगी।	03 वर्ष

केन्द्रपोषित योजना

1..	राष्ट्रीय डेरी विकास योजना	दुग्ध सहकारी समितियों में अवस्थापना विकास।	–	9500	. 1. दुग्ध समितियों में डाटा प्रोसेसिंग मिल्क कलेक्शन यूनिट की स्थापना । 2.. पर्वतीय क्षेत्र की दुग्ध समितियों में रेफ्रिजरेटेड मिल्क केन की स्थापना। 3. दूध की कोल्ड चैन बनाये रखने हेतु रफ्रिजरेटेड/इन्सुलेटेड मिल्क वैन, डीप फ्रिज तथा विजी कूलर स्थापित किये जायेगें।	–	दुग्ध संघ नैनीताल की प्रसंस्करण क्षमता 1.5 लाख लीटर प्रतिदिन किये जाने हेतु आवश्यक प्लांट मशीनरी की स्थापना की जायेगी।	1. दुग्ध उत्पादको की आय में वृद्धि होगी। 2. दूध की गुणवत्ता में सुधार होगा। 3. दुग्ध संघ के लाभ में वृद्धि होगी।	03 वर्ष